क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 190, शुक्रवार, 03 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सीतापुर : गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा मेंहदीपुरवा गांव, युवक जख्मी

लहरपुर सीतापुर। सीतापुर जिले का मेंहदीपुरवा गांव आज सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। रजिंश में कई राउंड फायरिंग में एक युवक को गोली लग गई। वहीं ईंट-पत्थर चलने से एक अन्य युवक भी घायल हो गया। तालगांव कोतवाली क्षेत्र के मेंहदीपुरवा गांव में दो पक्षों में रंजिश को लेकर युवक को गोली मार दी गई। गोली की आवाज सुनकर दोनों पक्षों के तमाम लोग सड़क पर उतर आए। ईंट-पत्थर चलने लगे जिसमें एक अन्य युवक घायल हो गए। पत्थरबाजी के बीच कई राउंड फायरिंग भी हुई। ग्रामीणों से जानकारी पाकर डायल 100 पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। डायल 100 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में भी फायरिंग हुई। जानकारी पाकर तालगांव कोतवाली के एसएसआई सूर्य प्रकाश शुक्ल पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। चार लोगों को पुलिस ने दबोच लिया और अन्य फरार हो गए। जानकारी के अनुसार तालगांव कोतवाली क्षेत्र के कंजा शरीफ्मुर गांव निवासी अबरार का बड़ा बेटा गुरुवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे दूध लेकर मेंहदीपुरवा आया था। मेंहदीपुरवा पहुंचते ही पुरानी रंजिश को लेकर हसीब उर्फ हबीज उसे रोककर गालीगलौज करने लगा। सूचना पाकर छोटा भाई इकरार पुत्र अबरार (22 वर्ष) कई अन्य लोगों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गया। दोनों पक्षों में ईंट-पत्थर चलने लगे। इसी बीच हसीब पक्ष पक्ष की तरफ से फायरिंग होने लगी। एक गोली इकरार के सीने में जा लगी। इकरार जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। इकरार पक्ष के लोगों ने ईंट-पत्थर चलाए जिसमें दूसरे पक्ष के हामिद पुत्र कमरुद्दीन (25 वर्ष) को सर में चोट आई है। ग्रामीणों की सूचना पर डायल 100 पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार डायल 100 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में भी दो-तीन राउंड फायरिंग हुई। सूचना कोतवाली पुलिस को मिली तो एसएसआई सूर्य प्रकाश शुक्ल दलबल के साथ गांव पहुंच गए। पुलिस ने एम्बुलेंस से इकरार को जिला अस्पताल भिजवाया जबकि हामिद को सीएचसी परसेंडी ले जाया गया है। दोनों पक्ष के चार लोगों को पुलिस कोतवाली ले आई। गांव में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सीओ बिसवां तौकीर अहमद भी बाद में गांव पहुंचे। उन्होंने जांच-पड़ताल शुरू की है।

यूपी: झूठी शान के लिए की थी बेटी की हत्या, आरोपी पिता ने किया सरेंडर

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले के दौलतपुर गांव में एक पिता ने झूठी शान के लिए अपनी बेटी की हत्या कर दी थी। उसकी बेटी पड़ोस में रहने वाले दूसरी जाति के हरिओम से प्यार करती थी और शादी करना चाहती थी। हत्या करने के बाद आरोपी पिता दाताराम ने पुलिस के सामने खुद को सरेंडर कर दिया। पुलिस के मुताबिक यह घटना 31 जुलाई की है। आरोपी दाताराम ने रात को अपनी बेटी पूजा (21) की हत्या कर दी। जिसके बाद दाताराम ने बुधवार यानि 1 अगस्त तो भैरा पुलिस स्टेशन पहुंचा और अपना अपराध कबूल करते हुए सरेंडर कर दिया। दाताराम ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी पड़ोस में रहने वाले दूसरी जाति के लड़के से प्यार करती थी। दोनों अदालत में शादी करना चाहते थे और बहुत समझाने पर भी मानने को तैयार नहीं हुए। इसी कारण उसकी हत्या कर दी। लखीमपुर खीरी के पुलिस अधीक्षक रामलाल वर्मा ने बताया कि दाताराम ने अपनी बेटी की शादी की जिद से नाराज होकर उसकी हत्या की है। उन्होंने बताया कि मां की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रायबरेली : पंखे से लटका मिला कांग्रेस नेता का शव

महाराजगंज। रायबरेली जिले के मऊशर्की गांव में आज सुबह कांग्रेस के ब्लॉक महासचिव प्रवेश सिंह की उनके आवास पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कांग्रेस नेता का शव उसके कमरे के पंखे से कपड़े के सहारे लटका मिला। कोतवाली क्षेत्र के मऊ शर्की गांव निवासी प्रवेश सिंह 40 वर्ष पुत्र सुरेंद्र बहादुर सिंह कांग्रेस के ब्लॉक महामंत्री व महाराष्ट्र,गुजरात में संपन्न हुए चुनाव में बतौर यूथ ट्रेनर पार्टी से भेजे गए थे। गुरुवार को कांग्रेस नेता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उनके कमरे में पंखे के सहारे लटका मिला। घटना देख परिजनों में कोहराम मच गया।

बोरवेल में फंसी मासूम 'सना' ने 30 घंटे बाद जीती जिंदगी की जंग

मुख्यमंत्री ने बचाव में शामिल आपदा प्रबंधन विभाग, एनडीआरएफ एसडीआरएफ एवं जिला प्रशासन की टीम को धन्यवाद देते हुये कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बाद भी सन्नो का बोरवेल से सकुशल निकाला जाना बेहतर टीम समन्वय का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने सन्नो को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया है और उसके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। सन्नो को बोरवेल से निकाले जाने के बाद वहां मौजूद चिकित्सकों की टीम उसे एक एम्बुलेंस से सदर अस्पताल ले गए और वहां उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक गौरव मंगला ने बताया बच्ची के बोरवेल में गिरने के बाद जिला पुलिस और प्रशासन को सूचना मिलने पर बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया था। 45 फीट गहराई पर बोरवेल में फंसी सन्नो को सिलेंडरों और पाइपों की मदद से ऑक्सीजन प्रदान किया गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई भाजपा विधायक की बंदरों से दुलार और दोस्ती की फोटो

गोंडा। तरबगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक प्रेमनरायन पांडेय की एक फोटो सोशल मीडिया पर जबर्दस्त तरीके से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में विधायक बंदरों को केला और अन्य चीजें खिलाते दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर लिखा गया है भाजपा विधायक बंदरों पर अपना दुलार बरसा रहे हैं। वही विरोधी पक्ष की ओर से व्यंग कसा जा रहा है। हालांकि समर्थकों द्वारा कहा जा रहा है कि इंसान तो इंसान ही पशु पक्षियों को भी क्षेत्रीय विधायक प्रेमनरायन पांडेय स्नेह करते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण गुरुवार को सोशल साइट पर देखने को जब क्षेत्रीय विधायक श्री पांडेय की फोटो उज्जैन में कालभैरव का दर्शन करके लंगूरों को मक्का खिला रहे थे। विधानसभा क्षेत्र के लोगों का कहना है कि विधायक श्री पांडेय गरीबों, असहाय व्यक्तियों, दिव्यांगों के साथ ही पशु-पक्षियों से स्नेह करते हैं। पशु पक्षी खुद ब खुद क्षेत्रीय विधायक के करीब आ जाते हैं।

मुक्त हुई लड़कियों ने अपने बयान में मर्जी से भारत आने की बात कबूल की है

पहाड़गंज से मुक्त कराई गई 39 लड़कियां

नई दिल्ली। नेपाली लड़कियों के पासपोर्ट व टिकट एजेंट के पास सभी लड़कियों को काम का झांसा देकर खाड़ी देश व श्रीलंका भेजने की तैयारी थी। ऐसा लगता है कि राजधानी मानव तस्करी का अड्डा बनती जा रही है। यही वजह है कि पिछले सप्ताह दिल्ली महिला आयोग ने जहां स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मैदान गढ़ी से 19 और मुनिरका से 16 नेपाली युवतियों को मुक्त कराया वहीं अब पहाड़गंज के एक होटल पर महिला आयोग और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारकर करीब 39 नेपाली लड़कियों को मुक्त कराया है। पुलिस ने दावा किया कि नेपाल के भूकंप प्रभावित क्षेत्र से आने वाली सभी लड़कियों को काम का झांसा देकर खाड़ी देश व श्रीलंका में भेजने की तैयारी थी। फिलहाल मुक्त कराई गई लड़कियों के पासपोर्ट व टिकट एजेंट के पास हैं। इस मामले में पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है जबकि मुक्त हुई लड़कियों ने अपने बयान में मर्जी से भारत आने की बात कबूल की है। दरअसल महिला आयोग की टीम को मंगलवार देर शाम को सूचना मिली थी कि पहाड़गंज के होटल हृदय-इन में भारी संख्या में नेपाली लड़िकयों को लाकर ठहराया जा रहा है। यह भी जानकारी दी गई कि सभी लड़कियों को विदेश भेज दिया जाएगा।

इस सूचना के बाद देर रात को महिला आयोग अध्यक्षा स्वाति मालीवाल अपने दल के साथ मौके पर पहुंच गई। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को भी दे दी, जिसके बाद स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में होटल पर छापेमारी की गई। पुलिस ने बताया कि अलग-अलग कमरों से कुल 39 लड़िकयां बरामद हुई। इतनी बड़ी संख्या में लड़कियां मिलने से महकमे में हड़कंप मच गया। दावा यह भी किया गया कि मानव तस्करी कर नेपाल से दिल्ली लाने वाले आरोपी होटल से ही फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने बताया कि सभी बरामद लड़कियों की आर्थिक स्थिति काफी खराब है और वह मजबूरी में एजेंट के जाल में फंसी हैं। वैसे लड़कियों ने मुक्त होने के बाद दिए बयान में अपनी मर्जी से काम की तलाश में दिल्ली आने की बात स्वीकार की है। उधर महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने पुलिस की कार्य पग्राली पर सवाल खड़े किए हैं।

उनका कहना है कि 15 अगस्त की वजह से दिल्ल अलर्ट पर है इसके बावजूद राजधानी में मानव तस्करी का धंधा फ लफूल रहा है। ज्ञात हो कि एक सप्ताह के भीतर महिला आयोग पुलिस के साथ मिलकर अब तक राजधानी से कुल 74 लड़कियां रिहा करा चुकी है।

अब पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए पुलिस नहीं आएगी घर

नई दिल्ली। पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया में पुलिस अब सत्यापन के लिए आपके घर नहीं आएगी। सरकार ने पुलिसकर्मियों के आवेदक के घर जाने की अनिवार्यता खत्म कर दी है। पुलिस को अपने रिकॉर्ड जांचकर आवेदक की सिर्फ आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी देनी होगी।

मुख्य पासपोर्ट अधिकारी व संयुक्त सचिव अरुण कुमार चटर्जी ने नियमों में बदलाव की पुष्टि करते हुए कहा, पुलिस सत्यापन के लिए आवेदक का घर पर रहकर फॉर्म पर हस्ताक्षर करना जरूरी नहीं होगा।

पुलिस को आवदेक से बात करने की भी जरूरत नहीं है। राज्यों को इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू करने को कहा गया है।

सिर्फ छह सवाल: सूत्रों ने कहा, पुलिस फॉर्म में 12 सवालों की जगह छह सवाल कर दिए गए हैं। वहीं, पुलिस के घर जाने की अनिवार्यता समाप्त करने से आवेदक परेशानी से बचेंगे। कम मानव संसाधन का दबाव झेल रही पुलिस को भी फायदा होगा। इससे बेवजह होने वाली देरी भी खत्म होगी।

ज्यादा पैसा : सामान्य पासपोर्ट में सत्यापन रिपोर्ट 21 दिन की समय सीमा में देने पर पुलिस विभाग को प्रति आवेदन 150 रुपये दिए जाते हैं जबकि निर्धारित समय के बाद 50 रुपये मिलते हैं।

सूत्रों ने बताया कि यदि पुलिसकर्मी को आवेदक की आपराधिक पृष्ठभूमि जांचने घर जाना जरूरी है या अन्य जांच करनी है तो वे कर सकते हैं। लेकिन घर जाकर आवेदक के निवास का सत्यापन करना या आवेदक के फॉर्म पर दस्तखत कराने की प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है। आवेदक को अपने पुराने पतों की जानकारी देने की बजाय केवल मौजूदा पते की जानकारी देनी है।

सूत्रों ने बताया कि यदि पुलिसकर्मी को आवेदक की आपराधिक पृष्ठभूमि जांचने घर जाना जरूरी है या अन्य जांच करनी है तो वे कर सकते हैं।

घर जाकर आवेदक के निवास का सत्यापन करना या आवेदक के फॉर्म पर दस्तखत कराने की प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है।

आवेदक को अपने पुराने पतों की जानकारी देने की बजाय केवल मौजूदा पते की जानकारी देनी है।

रायबरेली :डॉक्टरों की लापरवाही से जच्चा-बच्चा की मौत

शिवगढ़ (रायबरेली)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ में डॉक्टरों की लापरवाही से एक और जच्चा-बच्चा की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाकर जांच एवं कार्रवाई की मांग की है द्य

गौहर का पुरवा मजरे गुमावा के इंदल बुधवार को अपनी पत्नी दयावती 28 वर्ष की डिलीवरी कराने शिवगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए थे द्य जहां पर उसको एडमिट कर लिया गया द्य कुछ ही देर में सामान्य प्रसव भी हो गया द्य परंतु बच्चे की मौत हो गई द्यऔर दयावती की हालत भी नाजुक हो गयीद्य

आरोप है कि जच्चा को रेफर न करके घर भेज दिया गया जहां देर शाम उसकी हालत और खराब हो गई। घबराये परिजन उसे लेकर अस्पताल जा ही रहे थे कि रास्ते मे दयावती की भी मौत हो गयी। जच्चा-बच्चा की मौत से गुस्साए परिजन थाने पहुंच गए द्य उधर सीएचसी अधीक्षक डॉ. एलपी सोनकर का कहना है नॉर्मल डिलीवरी कराई गई थी जिसमें एक मृत बच्चा हुआ था और भयंकर रूप से एनीमिक दयावती को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था द्य परंतु परिजन उसे अस्पताल न ले जाकर सीधे घर लेकर चले गए द्य जब उसकी हालत ज्यादा बिगड़ गई तब घर से अपने निजी साधन से यह उसे जिला अस्पताल ले जा रहे थे तब रास्ते मे उसकी मौत हो गई है द्य इसमें अस्पताल प्रशासन का कोई दोष नहीं है द्य पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

»» गलत फैक्टरी को सीलिंग का नोटिस दे दिया था

भ्रष्टाचार मामले में फैक्टरी लाइसेंसिंग विभाग का इंस्पेक्टर निलंबित

पुर्वी दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाचार मामले में निगम उपायुक्त बीएम मिश्रा ने कार्रवाई करते हुए फैक्टरी लाइसेंसिंग विभाग के इंस्पेक्टर प्रमोद तोमर को निलंबित कर दिया है। साथ ही इस मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। शाहदरा दक्षिणी जोन में चल रही छह हजार फैक्टरियां सील की जानी हैं। निगम उपायुक्त ने 759 फैक्टरियों को सील करने के आदेश जारी किए, लेकिन सील की गई सिर्फ 130 फैक्टरियां। विभाग के अधिकारियों ने 350 फैक्टरियों को खाली बता दिया। रिपोर्ट में लिखा गया कि मौके पर जाकर देखा गया तो पाया गया कि फैक्टरियां खाली हैं, लेकिन जब निगम उपायुक्त ने खाली दिखाई गई कुछ फैक्टरियों का जायजा लेने की बात कही तो बताया गया कि इन फैक्टरियों के पते नहीं मिल रहे हैं। अगर पता ही नहीं मिल रहा तो इन फैक्टरियों का नाम सूची में कैसे आया और कारण बताओ नोटिस किसे दिया गया। इस गड़बड़ी के पकड़े जाने के बाद इंस्पेक्टर प्रमोद तोमर को निलंबित कर दिया गया। विासनगर में सुरेश कुमार नामक उद्यमी की गली नंबर-तीन में 1/52 में फैक्टरी थी, जिसे मई माह में बवाना शिफ्ट कर बिजली कनेक्शन कटवाकर इसकी सूचना निगम को उसी समय दे दी। निगम द्वारा भेजे गए कारण बताओ नोटिस का जवाब भी दे दिया और फैक्टरी बंद करने से संबंधित कागजात उसमें लगा दिए। फिर भी निगमकर्मियों ने उनकी फैक्टरी सील कर दी। इस मामले में सुरेश कुमार ने बुधवार को अतिरिक्त आयुक्त अशोक कुमार से शिकायत की। इस मामले को लेकर निगम में कांग्रेस नेता कुमारी रिंकू और पूर्व पार्षद चौधरी अजीत सिंह भी अतिरिक्त आयुक्त से मिले। उन्होंने कागजात देखकर माना कि इसमें कुछ गड़बड़ी हुई है, लेकिन उन्होंने डी-सील करने से मना कर दिया। अजीत चौधरी कहते हैं कि गलती निगम अधिकारियों की, भुगतना कारोबारियों को पड़ रहा है।

क्रांति समय

जो कुछ तुम्हें मिल गया है, उस पर संतोष करो और सदैव प्रसन्न रहने की चेष्टा करो। यहां पर ''मेरी'' और ''तेरी'' का अधिकार किसी को भी नहीं दिया गया है -हाफिज

'नमामि गंगे योजना'

समाचार निश्चय ही देश को थोड़ा सूकून देगा की ''नमामि गंगे योजना' में तेजी से प्रगति हो रही है। योजना की प्रगति की समीक्षा से संबंधित बैठक में केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास व गंगा संरक्षण मंत्री नितिन गडकरी ने जो कुछ कहा, उससे पता चलता है कि गंगा को स्वच्छ करने के लिए के लिए आरंभिक अभियानों में उसके केंद्र उत्तराखंड में 15 परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया है। उत्तराखंड में गंगा सफाई योजना के तहत कुल 31 परियोजनाएं हैं। इस तरह आधी पूरी हो गई हैं और शेष 16 के दिसम्बर तक पूरी हो जाने की संभावना है। अगर तय सीमा में यह पूरी हो गई तो गंगा अपने उद्गम प्रदेश में काफी हद तक स्वच्छ हो जाएगी। इन परियोजनाओं में मुख्यत: जल-मल शोधन संयंत्रों (एसटीपी), घाटों और शवदाह गृहों का निर्माण कार्य शामिल है। गंगा पर काम करने वालों को पता है कि शहरों के सीवर, जिनसे मल मूत्र और गंदगी के साथ औद्योगिक कचरा तक गंगा में जाता है, वह इसके जल को प्रदूषित करने का प्रमुख कारण है। अगर इनको रोक दिया जाए तो पतित पावनी कही जाने वाली गंगा का काफी हद तक उद्धार हो जाएगा। उत्तराखंड में कुल 122 एमएलडी सीवरेज निकलने का अनुमान है, जबकि राज्य की जल-मल शोधन क्षमता फिलहाल 97.7 एमएलडी है। ऐसे में एसटीपी की जिन परियोजनाओं पर काम चल रहा है, उनके पूरा हो जाने से राज्य की जल-मल शोधन क्षमता 131.7 एमएलडी हो जाएगी। हालांकि गंगा नदी उत्तराखंड के बाद उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से होते हुए बहती है। जाहिर है, गंगा को यदि स्वच्छ बनाना है तो इन चारों राज्यों की ऐसी सभी परियोजनाओं को पूरा करना होगा। इस समीक्षा बैठक में आई जानकारियों के अनुसार ''नमामि गंगे योजना' के तहत उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल की सरकार घरों से जल से सीवर निकासी (एचएससी) के लिए लोगों को वित्तीय मदद दे रही हैं। गंगा को निर्मल करना नरेन्द्र मोदी सरकार के बड़े वायदों में से एक रहा है। सरकार की पूरी कोशिश है कि अगले आम चुनाव के पूर्व उस पर ज्यादा-से-ज्यादा काम हो जाए ताकि लोगों को बताया जा सके कि पूर्व सरकारों ने अरबों खर्च करके हमारे देश की थाती और सभ्यताओं की स्रेत मां गंगा को साफनहीं किया, उसे हमने कर दिया और शेष भी जल्द पूरा हो जाएगा। नितिन गडकरी का कहना है कि मार्च 2019 तक 70 से 80 प्रतिशत गंगा स्वच्छ हो जाएगी। जब हमने इतने वर्षो प्रतीक्षा की तो कुछ महीने और सही।

कूटनीतिक और कारोबारी संबंध

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी अनिश्चय भरी प्रकृति के अनुकूल आचरण करते हुए ईरान के प्रति अपना रुख नरम करने का संकेत दिया है। उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति हसन रुहानी से बिना किसी पूर्व शर्त के बातचीत करने की इच्छा जताई है। इससे ईरान और अमेरिका के रिश्तों में आई तल्खी के कम होने के आसार हैं। वैसे भी कहा जाता है कि रिश्तों के दरम्यान आई तल्खी की उम्र ज्यादा नहीं होती। हालांकि व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि भले राष्ट्रपति ट्रंप अपने ईरानी समकक्ष से मिलने की सदिच्छा जताई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अमेरिका ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को शिथिल करेगा या दोनों देशों के बीच कूटनीतिक और कारोबारी संबंध फिर से स्थापित होंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान ईरान के साथ हुए परमाणु समझौते को बेतुका बताते हुए इसे रद्द करने का वादा किया था। राष्ट्रपति बनने के बाद इसी साल मई के महीने में उन्होंने अपने देश को इस समझौते से अलग कर लिया था। और ईरान पर कड़े प्रतिबंध थोप दिए थे। फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और चीन भी इस समझौते में शामिल रहे हैं। अमेरिका के मित्र राष्ट्रों ने ट्रंप को इस समझौते से अलग न होने के लिए दबाव भी डाला था, मगर उन्होंने किसी की एक न सुनी। ईरान को बर्बाद करने की धमकी देने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के रुख में आई नरमी भी तेहरान पर दबाव डालने की कूटनीति का ही एक हिस्सा है। वास्तव में अमेरिका ईरान पर नये सिरे से परमाणु समझौता करने का दबाव बना रहा है। लेकिन दूसरी ओर, ईरानी राष्ट्रपति हसन रुहानी अमेरिका के परमाणु समझौते से बाहर आने के कृत्य को अवैध मानते हैं। इसलिए दोनों के बीच बातचीत इसी शर्त पर मुमकिन लगती है, जब अमेरिका परमाणु समझौते पर अपना फैसला वापस ले। ईरान ने ऐसा संकेत भी दिया है। किंतु ईरान को अमेरिकी पेशकश का स्वागत करना चाहिए। ईरान को भी आशावादी रुख अख्तियार करके बातचीत की ओर बढ़ना चाहिए, जिससे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नये समझौते की राह निकल सके और शांति प्रक्रिया बहाल हो सके। यह भारतीय हितों के अनुकूल भी होगा।

सत्संग

सफलता

सफलता कितनी बड़ी पाई गई। गरिमा इस बात की है कि उसे किस प्रकार पाया गया। अनीति का मार्ग अपनाकर कोई सफलता अधिक बड़ी मात्रा में और अधिक जल्दी पाई जा सकती है, जबकि नीति का मार्ग अपनाकर चलने से देर भी लगेगी और मात्रा भी सीमित रहेगी। अधीर व्यक्ति जल्दी और अधिक पाने की बात सोचते हैं और इसके लिए किसी भी रास्ते कुछ भी कर गुजरने के लिए आतुर रहते हैं। सम्भव है तात्कालिक लाभ की दृष्टि से वे सफल भी रहें और बुद्धिमान भी समझे जाएं, पर अन्तत: यह सौदा बहुत महंगा पड़ता है। ऐसी उपलब्धियां स्वयं ही पानी के बबुले की तरह नष्ट हो जाती हैं और उस उपार्जनकर्त्ता को भी साथ ले डूबती हैं। इतिहास के पृष्ठों पर ऐसे अनेक नाम हैं, जो आंधी-तूफान की तरह उभरे और झाग की तरह तली में बैठ गए। रावण, कंस, हिरण्यकश्यप, चंगेज खां, नादिरशाह, सकिंदर, हिटलर आदि के कितने नाम ऐसे हैं, जिन्हें अपने समय का सफल मनुष्य कहा जा सकता है। उनकी सफलताएं अपेक्षाकृत अधिक भी थीं, और बड़ी भी, किन्तु उनसे क्या बना? सफलताएं उन्हें महंगी पड़ीं। जो कमाया था वह चला गया, अपना भी दुखद अंत हुआ। उत्पीड़ितों और शोषितों का करुण क्रंदन अनन्त काल तक उनकी आत्मा को नोचता-कोचता रहेगा। तस्कर डाकू और छली बात की बात में प्रचुर धन प्राप्त कर लते हैं, पर वह धन उनकी सुख-शांति में तनिक भी सहायता कर सका हो, ऐसा कभी नहीं देखा गया। सफलताएं अपने आप में कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। एक-से-एक बड़ी सफलताएं पाने वाले लोग इस संसार में हो चुके हैं और होंगे। उनकी तुलना में हमारी सफलता का मूल्य तुच्छ है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सफलता किस रास्ते, किस उपाय से प्राप्त की गई? वस्तुत: वह उपाय या मार्ग ही प्रशंसा या निन्दा का केंद्रबिंदु होता है। इसी के आधार पर व्यक्तित्व और कर्तृत्व की परख होती है। निंदा और प्रशंसा की पृष्ठभूमि वह प्रक्रिया ही है, जिसे सफलता की मंजिल पर चलते हुए अपनाया गया। न्याय का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयास करने वालों में से कितने ही ऐसे भी होते हैं, जिन्हें घोर कष्ट सहने पड़े और असफलता ही पल्ले पड़ी। ऐसे लोगों का उपहास नहीं उड़ाया जाता, वरन् त्यागी, बलिदानी, शहीद, आत्मदानी आदि के नाम से संबोधित किया जाता है।

बायोमीट्रिक फिंगर प्रिंट्स

ट्राई अध्यक्ष का आधार नम्बर सार्वजनिक होने के कुछ ही घंटों में कुछ साइबर सुरक्षा शोधार्थियों ने उनके आधार नम्बर के जरिए उनकी व्यक्तिगत जानकारियां हासिल कर लीं। इनके कुछ अंशों को ट्विटर पर भी डाल दिया। इस परिप्रेक्ष्य में ट्राई अध्यक्ष शर्मा ने 31 जुलाईको एक लेख लिखा। इसमें उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना नम्बर क्यों सार्वजनिक किया। लेख में उन्होंने तर्क दिया कि ''वह सबको बताना चाहते थे कि आधार नम्बर के जाहिर होने पर कोई नुकसान नहीं हो सकता।' उन्होंने उम्मीद जताईकि उनकी चुनौती से आधार नम्बर के बारे में फैलाया जाना थमेगा और भारतीय इस तकनीक से लाभ उठने को तत्पर होंगे। लेकिन तय उनके दावों के विपरीत हैं। सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष प्रस्तुत शपथ पत्र में ट्राई ने कहा था।

सतीश पेडणोकर

अखबार को हाल में दिए साक्षात्कार में टेलीकॉम रेग्यूलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के अध्यक्ष राम सेवक शर्मा ने दावा किया कि आधार से निजता का हनन नहीं होता। उन्होंने पूछा, ''बताइए कि आपके पास मेरे आधार की जानकारी होने पर आप मुझे क्या क्षति पहुंचा सकते हैं? आप चाहें तो मैं अपनी आधार संख्या आपको दे सकता हूं।' इसके बाद तो ट्विटर पर सक्रिय वाले मांग करने लग पड़े कि ट्राई अध्यक्ष अपने कहे अनुसार अपना आधार नम्बर बताएं। लोगों का पूछना था कि क्या उन्हें आधार पण्राली पर इस कदर भरोसा है। इसके उपरांत शर्मा ने अपना बारह अंकीय बायोमीट्रिक यूनिक आइडेंटिफिकेशन (यूआईडी) नम्बर अपनी माइक्रो ब्लॉगिंग पर सार्वजनिक कर दिया। अट्ठाइस जुलाई की दोपहर बाद शर्मा ने घोषणा की कि ''मेरा आधार नम्बर..है। मैं चुनौती देता हूं : मुझे क्षति पहुंचा सकने का कोई ठोस उदाहरण बताएं।' ऐसा करके शर्मा ने एक अवैध एवं दंडनीय कृत्य किया है। आधार नम्बर को सार्वजनिक किया जाना आधार अधिनियम, 2016 के तहत निषिद्ध है। अधिनियम की धारा 29(4) के तहत व्यवस्था है, ''इस अधिनियम के तहत संग्रहित या एकत्रित कोईआधार नम्बर या महत्त्वपूर्ण बायोमीट्रिक जानकारी को आधार संख्या धारक प्रकाशित, प्रदर्शित या सार्वजनिक रूप से दर्शा नहीं सकता। केवल निर्धारित विनियनों के अनुसार निर्दिष्ट उद्देश्यों के तहत ही ऐसा कर सकता है।' अभी ऐसा कोईविनियम नहीं है, जिससे ट्राई अध्यक्ष को इस अवैध कृत्य की छूट मिलती हो। ट्राई अध्यक्ष का आधार नम्बर सार्वजनिक होने के कुछ ही घंटों में कुछ साइबर सुरक्षा शोधार्थियों ने उनके आधार नम्बर के जरिए उनकी व्यक्तिगत जानकारियां हासिल कर लीं। इनके कुछ अंशों को ट्विटर पर भी डाल दिया। इस परिप्रेक्ष्य में ट्राई अध्यक्ष शर्मा ने 31 जुलाई को एक लेख लिखा। इसमें उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना नम्बर क्यों सार्वजनिक किया। लेख में उन्होंने तर्क दिया कि ''वह सबको बताना चाहते थे कि आधार नम्बर के जाहिर होने पर कोई नुकसान नहीं हो सकता।' उन्होंने उम्मीद जताईकि उनकी चुनौती से आधार नम्बर के बारे में फैलाया जाना थमेगा और भारतीय इस तकनीक से लाभ उठने को तत्पर होंगे। लेकिन तय उनके दावों के विपरीत हैं। सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष प्रस्तुत शपथ पत्र में ट्राई ने कहा था कि निजता का अधिकार बुनियादी अधिकार नहीं है। अदालत ने इस दावे को 24 अगस्त, 2017 को दिए अपने फैसले में खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने व्यवस्था दी, ''संविधान के पार्ट तीन द्वारा सुनिश्चित स्वतंत्रता के अंग के रूप में तथा अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हिस्से में निजता का अधिकार निहित एवं संरक्षित है।' अदालत ने स्पष्ट कहा कि निजता का अधिकार बुनियादी अधिकार है। अदालत ने कहा, ''व्यक्ति के सम्मान में निहित है कि वह क्षमतानुसार विकास कर सके। और ऐसा तभी संभव है, जब व्यक्ति को व्यक्तिगत चुनाव की स्वायत्तता हासिल हो तथा व्यक्तिगत जानकारी पर नियंतण हो ताकि अन्य व्यक्ति उसका दुरुपयोग न करने पाए।' पूरी तरह साफ था कि अदालत ने ट्राईके दावों को खारिज कर दिया। इस फैसले के आलोक में ट्राई और शर्मा अपनी स्थिति मजबूत करने में विफल रहे हैं। नरेन्द्र मोदी की वेबसाइट के मुताबिक, एक मई, 2012 को शर्मा ने ''मोदी के पहचान पत्र के लिए उनके बायोमीट्रिक फिंगर प्रिंट्स लिए और उन्हें इस परियोजना के तहत पंजीकृत किया।' गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री को गुमराह किया क्योंकि प्रत्येक आधार पंजीकरण फॉर्म की घोषणा के मुताबिक ऐसा अनिवार्य नहीं था। गौरतलब है कि मोदी ने बायोमीट्रिक जानकारी एकत्रित किए जाने के विरुद्ध तत्कालीन प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था। झारखंड के मुख्य सचिव के रूप में उन्होंने आधार को अनिवार्य बनाकर

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की उल्लंघना की। इसी के चलते झारखंड में भूख से मौतें होने का सिलसिला चल पड़ा। अपने सभी आधिकारिक जिम्मेदारियों के तहत उन्होंने गैर-कानूनी तरीके से विदेशी जीमेल अकाउंट्स का इस्तेमाल जारी रखा। यूआईडीएआई के अपने कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने हिलेरी क्लिंटन के निजी ईमेल विवाद से भी कोई सबक नहीं सीखा जो हिलेरी की हार का एक प्रमुख कारण था। जुलाई, 2016 में फेडरल ब्यूरो ऑफइंवेस्टिगेशन ने अपनी जांच के उपरांत बताया कि हिलेरी क्लिंटन अपने ईमेल सिस्टम को संभालने में ''बेहद लापरवाह' थीं। इसके कारण भी उन्हें राष्ट्रपति के चुनाव में शिकस्त खानी पड़ी। ऐसे ही अपराध के शर्मा भी दोषी हैं। अपना आधार नम्बर जाहिर किए जाने से उनकी जीमेल तथा उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाते रहे अन्य ईमेल अकाउंट्स की जांच किया जाना जरूरी हो गया है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) की बायोमीट्रिक्स कमेटी ने 25 हजार व्यक्तियों पर लिए गए सैंपल में बताया है कि 2-5 प्रतिशत लोगों के बायोमीट्रिक रिकॉर्डस नहीं थे। एक अनुमान के मुताबिक, किसी जनसंख्या के अनुमानत: 5 प्रतिशत लोगों की उंगलियों के निशान पढ़ने में नहीं आते। या तो उन पर कटे-फटे के निशान पड़ जाते हैं, या उम्र के असर से निशान उभरने नहीं पाते। भारत में देखने में आया है कि श्रमसाध्य कायरे में लगे होने के कारण भारत की आबादी का 15 प्रतिशत हिस्सा आधार के लिए पंजीकरण नहीं करा पाया। यह बात तो स्वयं शर्मा ने यूआईडीएआई का महानिदेशक तथा मिशन डायरेक्टर रहते में एक पत्रिका को दिए गए अपने एक साक्षात्कार में ही बताईहै। जब आबादी का पंद्रह प्रतिशत हिस्सा आधार नम्बर के लिए पंजीकरण ही करवा पाता तो आधार के तहत जुटाई गई जानकारियों नकली लाभान्वितों का पता लगाने में भला कैसे कारगर हो सकती है? यही नाकामी अनेक राज्यों में भूख से मौतों का कारण बनी है। इन मौतों की जवाबदेही शर्मा जैसे अधिकारियों पर है। काफी समय से शर्मा बेखटके कानूनों की अनदेखी करते रहे हैं। इसलिए वह आधार अधिनियम के दंडात्मक प्रावधानों की उल्लंघना करने से भी बाज नहीं आए। यदि कानून ने अपना काम करते हुए उन्हें उनके अपराधके लिए दंडित नहीं किया तो एक बार फिर से साफ हो जाएगा कि आधार अधिनियम एक काला कानून है, जिसके चलते भूख से मौतें हो रही हैं।

चलते चलते

फिटनेस चैलेंज

इधर कोई किकी चैलेंज बड़ा चल रहा है जी! चैलेंजों में यह नया चैलेंज है। फिटनेस चैलेंज अभी भी चल रहा है या नहीं, पता नहीं। वह शुरू तो हुआ था योग दिवस के आसपास, पर संपन्न कब हुआ, किसी को पता नहीं। यह भी नहीं पता कि वह संपन्न हुआ भी है या नहीं। इवेंट दर इवेंट करते रहने का यही फायदा होता है कि लोग पिछले इवेंट को भुलाकर नये इवेंट की मस्ती में खो जाते हैं। सो इधर वे किकी चैलेंज में खो गए हैं। पर यह भी हो सकता है अब तक सब फिट हो चुके हों और उस चैलेंज को चलाते रहने की जरूरत ही न रह गई हो। इस तरह के इवेंट, सरकारी योजना थोड़े होते हैं कि चल रही है तो चल रही है। खैर,अब जब नया किकी चैलेंज आ गया है तो फिटनेस चैलेंज को कौन याद करे? यह कुछ इस

इवेंट दर इवेंट करते रहने का यही फायदा होता है कि लोग पिछले इवेंट को भुलाकर नये इवेंट की मस्ती में खो जाते हैं। सो इधर वे किकी चैलेंज में खो गए हैं। पर यह भी हो सकता है अब तक सब फिट हो चुके हों और उस चैलेंज को चलाते रहने की जरूरत ही न रह गई हो। इस तरह के इवेंट, सरकारी योजना थोड़े होते हैं।

तरह का चैलेंज है कि लोग चलती कार से उतर कर डांस करने लगते हैं। इस दौरान गाड़ी की रफ्तार महज दस किलोमीटर प्रति घंटे रह जाती है। तेजी के दौर में यह मंद गति, मंदी के असर के चलते तो नहीं होगी न! मंदी के चलते होती तो रोना-पीटना होता। अभी तक यह था कि गाड़ी हवा से बातें करती थी और फिर कई बार सब कुछ सचमुच हवा हो जाता था। पर यहां तो गाड़ियां मंथर गति से चलती बताई गई। वैसे अपने यहां शहरों में अभी तक होता यह था कि गाड़ी की गति में अगर कहीं अवरोध आ जाए तो लोग डांस करने नहीं उतरते थे, वे रॉड या बेसबाल बल्ला लेकर रोडरेज करने के लिए उतरते थे। पर यह चैलेंज इस मायने में अच्छा है कि लोग डांस करने के लिए उतरते हैं। विदेशों में यह चैलेंज काफी चल रहा है। पुलिस का कहना है कि यह बड़ा खतरनाक है। कहां तो इसे प्रोत्साहन मिलना चाहिए और कहां इसे हतोत्साहित किया जा रहा है? होना तो यह चाहिए कि जब जाम लगा हो, गाड़ियां बंपर-टू-बंपर चल रही हों। लोग चिढ़ रहे हों, हॉर्न पर हॉर्न दे रहे हों, गालियां दे रहे हों, मन-ही-मन बड़बड़ा रहे हों, अपना ब्लड प्रेशर बढ़ा रहे हों तब पुलिस यह कहे कि अब मौका है किकी चैलेंज को स्वीकार करने का। इससे फिटनेस चैलेंज का सरकारी कोटा भी पूरा हो जाएगा और लीचिंग के दौर में सरकार सद्भावना पैदा करने का श्रेय भी ले सकती है। फिर इससे नृत्य कला विकसित होगी, सो अलग।

फोटोग्राफी...

आ तुझे ले चलूं कहीं दूर

मर्मेड शो...चीन के शहर गुइयांग के एक एक्वेरियम में मर्मेड शो में परफॉर्म करती आर्टिस्ट। यहां के लोगों में मर्मेड शोज काफी पॉपुलर हैं और धीरे-धीरे बाकी देशों में भी लोकप्रिय हो रहे हैं। ब्राजील में तो बाकायदा इसकी ट्रेनिंग दी जाती है।

''कोर्ट का दखल

सूचना आयोग, केंद्रीय सूचना आयुक्त कार्यालय और राज्य सूचना आयोग में कई महीनों से खाली पड़े रिक्त पदों पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जवाब-तलब किया है। जस्टिस एके सीकरी और जस्टिस अशोक भूषण की पीठ ने केंद्र सरकार से हलफनामा दायर करके चार हफ्ते के अंदर यह बताने का निर्देश दिया है कि कितने समय में ये नियुक्तियां हो जाएंगी? सुप्रीम कोर्ट पीठ के जजों ने कहा है कि केंद्रीय सूचना आयोग में इस वक्त चार पद रिक्त हैं और दिसम्बर में चार और रिक्त हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सात राज्यों को पिछले हफ्ते वैसे समय में यह निर्देश जारी किया है, जब केंद्रीय सूचना आयोग को लचर बनाने की र्चचा तेज है। केंद्र सरकार ने एक साथ दो उपाय आजमाए और दोनों ही विवादों के घेरे में आ गए। सीआईसी (केंद्रीय सूचना आयोग) में रिक्तियों का मामला सुप्रीम कोर्ट में जाना सरकार के लिए कोई नई बात नहीं है। केंद्रीय सूचना आयोग के सर्वोच्च अधिकारी मुख्य सूचना आयुक्त का पद 2015 में कई महीनों तक खाली पड़ा रहा। केंद्र की भाजपा गठजोड़ सरकार सीआईसी की नियुक्ति टालती रही। चयन प्रक्रिया दिल्ली हाईकोर्ट की इस सरकार के बाद शुरू हुई कि ''कोर्ट का दखल होने तक लंबे समय के लिए महत्त्वपूर्ण पद खाली रखे जाते हैं।' अप्रैल 2015 में सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि नियुक्ति प्रक्रिया में तीन महीने लगेंगे, जबकि उस समय मुख्य सूचना आयुक्त की खाली कुर्सी के नौ महीने गुजर चुके थे और उसके अलावा, तीन सूचना आयुक्तों के भी पद रिक्त पड़े थे। आखिरकार दिसम्बर, 2015 के अंतिम सप्ताह में पूर्व रक्षा सचिव आरके माथुर सीआईसी नियुक्त हुए। आरटीआई एक्ट, 2005 के अंतर्गत जनता को दिया गया सूचना का अधिकार न तो रद्द किया जा सकता है, न वापस लिया जा सकता है। इसलिए सरकार ने आरटीआई संशोधन बिल का ऐसा मसौदा तैयार किया ताकि केंद्रीय सूचना आयोग संवैधनिक संस्था की जगह एक सरकारी संस्था की तरह काम करे। मार्च 2017 में ही आरटीआई एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव सरकार ने उछाला। जब चारों तरफ तीखी प्रतिक्रिया हुई तो केंद्रीय कार्मिक और जन शिकायत मंत्रालय ने सफाई दे दी कि ''ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। सूचना आयुक्त और आरटीआई कार्यकर्ता को तो पता था, मगर जनता तक इसकी जानकारी अभी जुलाई, 2018 में पहुंची, जब संसद के चालू मॉनसून सत्र में सरकार को खंडन करना पड़ गया कि सूचना का अधिकार (संशोधन बिल) 2018 संसद में पेश करने के लिए तैयार है। आचार्यालू ने अपने साथी सूचना आयुक्तों के नाम लिखे गए पत्र में सीआईसी से भी आग्रह किया कि सरकार को आरटीआई (संशोधन बिल) 2018 वापस लेने के लिए लिखें। आचार्यालू के अनुसार आरटीआई (संशोधन बिल) 2018 एक ही साथ आरटीआई एक्ट, 2005 कानून बनने के असली मकसद को और संविधान की मूल भावना संघवाद को समाप्त कर देगा। सीआईसी को सीमित दायरे में रखने के पक्ष में सभी दल हैं, क्योंकि सूचना आयोग पार्टियों के अंदरूनी चुनाव फंड, चंदा कारोबार पर उंगली उठाकर उसे सार्वजनिक करने का आदेश जारी कर चुका है। 2012 में सीआईसी सत्यानंद मिश्र ने आदेश जारी किया और सुप्रीम कोर्ट जजों को भी सार्वजनिक पद पर होने के कारण अपनी संपत्ति बताने को कहा। सरकार नहीं चाहती कि दलाली, घपला और सुरक्षा बलों की फर्जी मुठभेड़ वाली सूचनाएं मांगने के लिए आरटीआई का इस्तेमाल हो, इसके लिए अर्जी की फीस बढ़ाने और छंटनी में भी सरकारी हस्तक्षेप प्रस्तावित है।

संक्षिप्त

१२ ग्राम प्रधान पद पर होगा उपचुनाव

सिद्धार्थनगर, जिले में १२ ग्राम प्रधान पद के लिए १७ अगस्त को मतदान होगा। तीन बीडीसी के पद रिक्त चल रहे हैं। 259 ग्राम पंचायत सदस्य का भी चुनाव किया जाएगा। उपचुनाव का रोस्टर कल जारी किया गया। डीएम कुणाल सिल्कू ने बताया कि ८ अगस्त तक नामांकन पत्र जमा किया जाएगा। ९ अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच किया जाएगा। १० अगस्त को नाम वापसी व चुनाव चिन्ह आवंटन किया जाएगा। १७ अगस्त को मतदान होगा। मतगणना २० अगस्त को कराई जाएगी।

बोल बम का जयकारा, बैजनाथ धाम को किया कूच

कादीपुर (सुल्तानपुर), सावन माह शुरू होते ही कांवड़िए महादेव को प्रसन्न करने के प्रति उत्साह में हैं। स्थानीय कस्बे से कांवड़ियों का जत्था बोलबम के जयकारों के साथ बाबा धाम की यात्रा के लिए निकला। कस्बे के कैलाश मोदनवाल रामकुमार, पाठक सुनील सिंह व राजाराम आदि साधु संतों की टीम के साथ दर्जनों कांवड़िए बोलबम का जयकारा लगाते हुए बैजनाथ धाम के लिए कस्बे से कूच किए। कांवड़ियों का उत्साह देखने लायक था, जो बाबा धाम के लिए अन्य को भी प्रेरित करते दिखाई दिए। यश कुमार अग्रहरि, विजय कुमार अग्रहरि, मनोज कुमार अग्रहरि, महेश अग्रहरी, राहुल कुमार, अनिल अग्रहरि आदि भारी संख्या में श्रद्धालु सरैया बाजार से निकलकर कस्बे में पहुंचे, जहां लोगों ने जगह-जगह स्वागत किया।

बगैर प्रीमियम के पाएंगे बीमा लाभ

संतकबीर नगर, मछली पालने वाले, बेचने वाले, शिकार करने वाले, बीज उत्पादन का काम करने वालों को बगैर प्रीमियम के बीमा लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार द्वारा संचालित "मछुआ दुर्घटना बीमा योजना" के तहत इन्हें यह लाभ दिलाया जाएगा। राष्ट्रीय मत्स्य जीवी सहकारी संघ(फिशकाफेड) -नई दिल्ली इस योजना को क्रियान्वित कर रही है। इस योजना के तहत १८ से ७० साल के पंजीकृत व्यक्तियों की दुर्घटना में मृत्यु होने या स्थायी रुप से अपंग होने पर दो लाख रुपए तथा आंशिक अपंगता की स्थिति में एक लाख रुपए का बीमा लाभ पीड़ित अथवा परिवार के सदस्यों को दिया जाएगा।

इलाज के दौरान किशोरी की मौत

अहरौरा (मिर्जापुर), स्थानीय थाना क्षेत्र के बरही गांव की एक नाबालिग लड़की की कल स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान मौत हो गई। गांव निवासी (१५) नंदिनी कुमारी के पेट में दर्द था। उसका इलाज परिजनों ने पहले गांव के ही नीम हकीम के यहां कराया लेकिन आराम नहीं मिला तो परिजन नंदिनी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए ही शव को लेकर घर चले गए।

टूटी नहर, गांव में घुसा पानी

सगरासुंदरपुर(प्रतापगढ़), विकासखंड लक्ष्मणपुर अंतर्गत रहिमाकुली गांव के पास सुबह सगरा रजबहा की डौलापटरी टूट जाने से नहर का पानी गांव में घुस गया। इसके साथ ही किसानों के सैकड़ों एकड़ धान की फसल पानी से लबालब हो गई। गांव के पास से गुजरी सगरा रजबहा की डौलापटरी अचानक टूट गई और नहर के पानी का बहाव गांव की ओर हो गया, जिससे रहिमाकुली गांव में पानी पहुंचने लगा। धीरे धीरे कटाव बढ़ जाने से आसपास के पंडित का पुरवा, पूरे ब्रह्मचारी गांव में भी पानी घुसने लगा, जिससे लोगों में परेशानी है। क्षेत्र के त्रिभुवन नाथ उपाध्याय, भोलेनाथ दुबे, धर्मेंद्र तिवारी, शिवाकांत पांडेय,राजेश वर्मा, शमशाद अहमद, कल्लन आदि लोगों ने विभाग से सगरा रजबहा के डौला पटरी को ठीक करवाने की मांग की है।

सांसद आज करेंगे टू लेन सड़क का शिलान्यास

देवरिया, मझौली से रामपुर बुजुर्ग को जाने वाली टू लेन सड़क का शिलान्यास कल ३ अगस्त को दोपहर १२ बजे सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद रवींद्र कुशवाहा द्वारा किया जाएगा। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में लोगों को सरकार की उपलब्धियां भी बताई जाएंगी। यह जानकारी भाजपा नेता संतोष पटेल ने दी।

योजनाओं से दूर ४३ हजार मजदूर

बलरामपुर, श्रमिकों के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है लेकिन, विभागीय अफसरों की लापरवाही से उसका लाभ श्रमिकों को नहीं मिल पा रहा है। 63 हजार श्रमिकों में सिर्फ 20 हजार लोगों के रजिस्ट्रेशन होने का दावा किया जा रहा है। 43 हजार से अधिक श्रमिकों की योजनाओं के लाभ से वंचित होना पड़ रहा है। इन श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन कराना जिम्मेदारों ने मुनासिब नहीं समझा। जिससे श्रमिकों की समस्याओं का निस्तारण नहीं हो पा रहा है।

पुस्तकों के इंतजार में ७० हजार नौनिहाल

ज्ञानपुर (भदोही), परिषदीय प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण सत्र शुरू हुए चार माह का समय व्यतीत हो चुका है। बावजूद इसके कक्षा एक से तीन व छह में अध्ययनरत करीब ७० हजार बच्चों को अभी तक निशुल्क पुस्तकों का इंतजार है। वैसे कक्षा चार-पांच व कक्षा सात व आठ के आई बड़ी संख्या में पुस्तकें भी अभी बीआरसी के कमरे में डंप है। हालांकि महकमे का कहना है कि विद्यालयों में पुस्तकों का वितरण हो चुका है। जो पुस्तकें बची हैं वह जहां कम-ज्यादा बच्चे हैं और इंटर कालेजों में संचालित कक्षा सात व आठ के बच्चों को भेजा जाएगा।

भाजपा नेत्री के घर चोरी

अंबेडकरनगर, नगर के मीरानपुरा मोहल्ले की रहने वाली भाजपा नेत्री के घर में चोरी हो गई। पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह त्वरित कार्रवाई कोतवाली पुलिस ने की है। भाजपा नेत्री सुमन गुप्ता कोतवाली क्षेत्र के मीरानपुरा मोहल्ले की रहने वाली है। सुमन गुप्ता के घर में से बीती रात एक अदद मोबाइल, सोने की कान की बाली व पांच हजार रुपए चोरी हो गया। पड़ोसियों ने कादिर को घर से निकलते हुए देखा। चोरी होने की जानकारी होने पर सुमन गुप्ता ने कादिर से चोरी के बारे में पूछा तो वह आमादा फौजदारी हो गया। सुमन गुप्ता की तहरीर पर पुलिस ने कादिर के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में तोड़ दिए गए २०० मंदिर-केशवचंद यादव

देवरिया, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशवचंद यादव ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सभी मित्रदलों से गठबंधन की बातचीत चल रही है। यूपी में सीटों को लेकर शीर्ष नेतृत्व के बीच दो चरण की वार्ता हो चुकी है, लेकिन सीटों को लेकर तस्वीर अभी साफ नहीं है। उम्मीद है कि जल्द ही सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। केशवचंद देवरिया में प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में कारिडोर बनाने के नाम पर 200 मंदिरों को तोड़े जाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा सरकार का धर्म व आस्था से कोई सरोकार नहीं है। केवल राजनीति करती है। भाजपा के लोगों ने अपने हित में मंदिरों को तोड़ा है। इसके विरोध में 13 अगस्त को युवा कांग्रेस काशी बचाओ जनांदोलन करेगी। प्रधानमंत्री कार्यालय का घेराव किया जाएगा, जिसमें देश भर के युवा कांग्रेसी शामिल होंगे। संवाददाताओं के बीच केशवचंद ने कहा कि भाजपा शासित

राज्यों में लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है। लखनऊ में जनता के सवालों को उठाने पर उनके ऊपर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। छत्तीसगढ़ के रायपुर में उनको रोकने के लिए लोहे की प्लेटें सड़क पर लगाई गई थीं। उनको उठाकर फेंका गया। उन्होंने योगी सरकार को कानून व्यवस्था व बिजली व्यवस्था पर कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि अपराधियों को ठोंक दूंगा, लेकिन इसके बाद भी कानून व्यवस्था में सुधार नहीं है। बिजली व्यवस्था की दशा खराब है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जुमलेबाज बताया। केशवचंद ने कहा कि पीएम ने चुनाव से पहले वादा किया था कि प्रत्येक वर्ष दो करोड़ युवाओं को रोजगार दिया जाएगा, लेकिन सरकार रोजगार देने में फेल रही है। पीएम ने लोक सभा में बयान दिया कि आटो खरीदने पर तीन लोगों को रोजगार मिलता है। ऐसे बयान की निंदा करता हूं। आज विश्व के युवा रोजगार की नई सीढ़ियां तय कर रहे हैं, लेकिन देश के युवा चार साल में हत्सोत्साहित हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में सैनिकों के ऊपर पत्थर फेंके जा रहे हैं। वाहनों के शीशे तोड़े जा रहे हैं। प्रधानमंत्री सैनिकों के मामलों में भी जुमलेबाजी कर रहे हैं। पीएम ने वादा किया था कि एक सैनिक के सिर के बदले दस सिर लाऊंगा। सरकार ठोस कदम उठाने में असफल रही है।

सोनभद्र में बलुई बंधी से बढ़ा खतरा, खाली कराये गये आसपास के गांव

सोनभद्र, एक पखवारे से अधिक समय से हो रही बरसात का असर बंधियों पर भी पड़ने लगा है। पानी के बढ़ते दबाव के कारण मारकुंडी घाटी के समीप स्थित बलुई बंधे में गुरुवार की सुबह होल हो गया। अचानक पानी का तेज बहाव होता देख बंधी पर मिट्टी भरकर पानी का बहाव रोक रहे श्रमिक दहशत में वहा से पलायित हो गये। हालाकि उसे रोकने की कवायद चल रही है लेकिन पानी का बहाव बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में किसी बड़े हादसे को देखते हुए जिला प्रशासन ने आसपास के गांवों को खाली कराया जा रहा है। यहा के लोगों को आसपास के स्कूलों में भेजा जा रहा है। पानी का तेजी से फैलाव बंधी के आसपास के सलखन, केवटा व पथरहा गांवों में हो रहा है। जिलाधिकारी अमित कुमार सिंह के निर्देश पर इन गांवों के लोगों को गांव से हटाकर मारकुंडी के स्कूल में पहुंचाया जा रहा है। हालाकि अभी गांवों में पानी पहुंचा नहीं है। दरअसल मारकुंडी घाटी के समीप स्थित इस बंधी की क्षमता 213 एमसीएफटी (मिलियन क्यूबिक फीट) है। पानी भराव की अधिकतम ऊंचाई 208 मीटर है। लगातार हो रही जोरदार बारिश से गुरुवार तक इसमें 207.1 मीटर बारिश का पानी भर गया था। अवर अभियंता ने बताया कि सूचना मिली थी कि बंधे पर दो फीट की परिधि में मिट्टी धसक गई है। सुबह मजदूरों को मौके पर भेजकर मिट्टी की भराई कार्य में लगाया गया था। इसी दौरान पानी के बहाव के कारण उक्त स्थल पर बड़ा छेद हो गया। इसके बाद पानी का तेज बहाव शुरू हो जाने से श्रमिक भी काम छोड़कर वहा से हट गये। उच्चाधिकारियों को सूचना देकर मौका मुआयना किया जा रहा है। एसडीओ अनिल मिश्रा ने बताया बंधे से निकलने वाली सलखन माइनर के समीप होल हुआ है। वे लखनऊ प्रशिक्षण से लौट रहे हैं लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सिंचाई के लिए बंधे के पानी के महत्व को देखते हुए तत्काल उसे दुरुस्त कराया जायेगा। हालांकि मौके पर अधिकारी पहुंचकर तेज बहाव को रोकने का उपाय करने में जुट गए हैं। मगर पानी के तेज बहाव के चलते राहत का काम प्रभावित भी हो रहा है।

७० साल में भी नहीं बन पाया पुल तो शुरू किया जल सत्याग्रह

संतकबीर नगर, जनपद के दक्षिण-पश्चिम सीमा पर स्थित ग्राम पंचायत चंगेरा-मंगेरा के राजस्व ग्राम असनहरा और

मुंडेरवा (बस्ती) के बीच कठिनइया नदी पर पक्का पुल निर्मित करने की मांग को लेकर लोगों ने जल सत्याग्रह किया। ऐतिहासिक अगस्त क्रांति की तरह लोगों ने इसे पुल के लिए अगस्त क्रांति का नाम दिया और माह के पहले दिन जल सत्याग्रह संघर्ष मोर्चा असनहरा के सैकड़ों लोगों ने कठिनइया नदी में घंटों खड़े रहकर प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों का कहना है कि आजादी के 70 साल बाद असनहरा और मुंडेरवा के बीच पक्का पुल नहीं बना। मांग उठती रही और आश्वासन मिलता रहा। स्थिति जैसे आजादी के पहले थी वैसी आज भी है। चार किलोमीटर का चक्कर काटने से बचने के लिए अपने संसाधनों से बांस का पुल बनाकर असनहरा के लोग कठिनइया नदी पार करते हैं। चीनी मिल मुंडेरवा और असनहरा गांव के बीच की दूरी मात्र एक किलोमीटर है किंतु बीच में कठिनइया नदी पड़ती है जिस पर पक्का पुल बनाने की मांग दशकों से चली आ रही है। हालांकि सरकार ने असनहरा गांव को पिच मार्ग से जोड़ दिया है किंतु इस रास्ते से होकर मुंडेरवा की दूरी चार किलोमीटर है। असनहरा घाट पर पुल की मांग को लेकर कल दोपहर असनहरा के लोगों ने फिर आवाज बुलंद की। सत्याग्रह मोर्चा के शैलेश राजभर के मार्ग दर्शन में पक्के पुल की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन सत्याग्रह की शुरूआत हुई है।

डायरिया प्रभावित गांव पहुंची डाक्टरों की टीम

सैनी (कौशांबी), विकास खंड कड़ा क्षेत्र के निंदूरा गांव में साफ-सफाई नियमित नहीं होने से नाली चोक हो गई। गांव में चहुंओर गंदगी पसरी है। बरसात होते ही गांव में संक्रामक बीमारी डायरिया फैल गया। जिसकी चपेट में आने से आधा दर्जन लोग बीमार हो गए। प्रकाशित हुई खबर को संज्ञान में लेकर पहुंची डाक्टरों की टीम ने मरीजों का इलाज किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कड़ा के अधीक्षक डा. नीरज सिंह की अगुवाई में चिकित्सकों की टीम निंदूरा गांव पहुंच कर मरीजों की जांच की। इस दौरान आजाद (१०), सलोनी (८), सवित्री (६), अमित (७), धर्मेंद्र (४) व शशि (२) का परीक्षण किया गया जिसमें डायरिया के लक्षण पाए गए। जिन्हें आवश्यक दवा वितरित की गई। इस दौरान अधीक्षक डा नीरज सिंह ने गांव में साफ-सफाई कराए जाने की बात कही। पीड़ित परिवार के मुखिया से कहा कि आसपास गंदगी न होने दें तथा खाना-पान का विशेष ध्यान रखें। पीने वाले पानी को उबालकर रखें तथा उसे ही पिएं। इस दौरान टीम में सुजान लाल, संतोष श्रीवास्तव, वीरेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

छिनैती-लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

अमेठी, जिले के बाजारशुकुल में पिछले दस दिन में एक के बाद एक हो

रही वारदातों ने पुलिस को सवालों के घेरे में खड़ा किया था। पुलिस अधीक्षक केके गहलौत व उनकी टीम भी लगातार घटना को अंजाम देने वालों की खोजबीन में लगी थी। कल बाजारशुकुल पुलिस ने दस मोबाइल फोन, चार मोटर साइकिल, एक साइकिल व एक तमंचा के साथ तीन शातिर लूटेरों को गिरफ्तार कर हो रही अपराधिक वारदातों के खुलासे का दावा किया है। पुलिस आफिस में पुलिस अधीक्षक के साथ अपर पुलिस अधीक्षक बीसी दुबे व मुसाफिरखाना के पुलिस उपाधीक्षक सूक्ष्म प्रकाश ने पकड़े गए युवकों को मीडिया के सामने प्रस्तुत करते हुए बताया कि बाजारशुकुल में पिछले दस दिन में हुई लूट व छिनैती की सभी वारदातों को इन्हीं युवकों ने मिलकर अंजाम दिया था। पकड़े गए युवकों की पहचान बाजारशुकुल के शाहपुर मजरे अकरा निवासी अजय कुमार, तेंदुआ निवासी सुनील कुमार गिरि व मंगरौली निवासी राजकरन यादव के रूप में हुई। पकड़े गए युवकों के पास से पुलिस ने चार बाइक, दस मोबाइल फोन, एक साइकिल व एक तमंचा के साथ दो कारतूस व २१ सौ रुपए नकद बरामद करने का दावा किया। पुलिस के मुताबिक सभी को उसने मुखबिर की सूचना पर तेंदुआ रोड़ से गिरफ्तार किया।

भाजपा में परिवार नहीं, प्रतिभा को वरीयता-अवधेश पांडेय बादल

फैजाबाद, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नियुक्त होने के बाद पहली बार जिले में आए हर्ष वर्धन सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। जिले की सीमा से लेकर पार्टी कार्यालय तक भाजपा कार्यकर्ताओं ने दो दर्जन स्थानों पर उनका जिंदाबाद के नारों व माला पहना कर स्वागत किया। पार्टी कार्यालय में स्वागत सभा हुई। बारी-बारी सभी ने हर्ष को माला पहना कर स्वागत किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ताओं का सबसे अधिक सम्मान है। सामान्य सा कार्यकर्ता शीर्ष पदों का दायित्व हासिल कर सकता है। कहा, यहां परिवारवाद न हो कर प्रतिभा को वरीयता दी जाती है। इसी का नतीजा है कि भाजपा में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व भी है। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों, किसानों व मजदूरों के प्रति समर्पित है। गरीबों के उत्थान के लिए कई योजनाओं की शुरुआत हुई है। उन्होंने हर्ष की ताजपोशी

को नौजवानों का सम्मान बताया। विधायक गोरखनाथ बाबा ने कहा कि सरकार ने गरीब को निःशुल्क आवास के साथ शौचालय, विद्युत कनेक्शन व गैस सिलेंडर प्रदान किया है। इस मौके पर नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह ने कहा कि मुझे जो जिम्मेदारी दी गयी है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी से करूंगा। उन्होंने 2019 में नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान युवाओं से किया। संचालन भाजपा जिला महामंत्री संजीव सिंह ने किया। इससे पूर्व भाजपा नेता अभय सिंह ने लाव लश्कर के साथ हर्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। हर्ष भी खुले लग्जरी वाहन में खड़े हो सभी का अभिवादन व संवाद करते नजर आए।

शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के निर्देश

महराजगंज, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जगदीश प्रसाद शुक्ल ने कल सुबह प्राथमिक विद्यालय बिरैचा का निरीक्षण कर शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया। विद्यार्थियों से सवाल पूछे और उचित जवाब मिलने पर शाबाशी दी। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने वातावरण, बच्चों का अधिगम स्तर, दस्तक अभियान की सफलता, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, मध्यान्ह भोजन, विद्यालय अभिलेखों और विद्यालय के शिक्षक के खिलाफ की गई शिकायत की जांच की। डा धनंजय मणि त्रिपाठी ने शिक्षा में नवाचारों के प्रयोग के बारे में बताया तो बीएसए ने डा त्रिपाठी को पुरस्कृत करने की घोषणा की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक बुलाकर विद्यालय के विकास और शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए हर संभव सहायता करने का आश्वासन भी दिया। विद्यालय प्रबंध समिति की इस बैठक में एसएमसी अध्यक्ष मोहन, रामबृक्ष, सुग्रीव, तेतरा देवी, अज्जीमुल और इसरावती देवी ने भाग लिया।

पूर्वांचल में बरसात से घर गिरने का सिलसिला शुरू, दो की मौत

वाराणसी, पूर्वांचल में रह रहकर हो रही लगातार बरसात से अब घरों के गिरने का सिलसिला शुरु हो गया है। पूर्व में भी घरों के गिरने से हादसे होते रहे हैं मगर पूर्वांचल में बरसात के बाद कच्चे मकान गिरने से गुरुवार को अलग अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल भी हो गए। सूचना पर पहुंचे जिला प्रशासन के अधिकारी राहत व बचाव कार्य सहित सरकारी लाभ के लिए सहयोग में जुट गए हैं। कल मिर्जापुर के कछवा थाना के पसियाही गांव में बारिश के दौरान प्रधान सविता देवी के मकान की नौ फीट ऊंची दीवार सुबह अचानक गिर गई। जबकि दीवार के मलबे में दबकर गांव निवासी भरत की पत्नी बुटाउ देवी (५५) की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी ओर चंदौली के

चकिया में लगातार बारिश के चलते कोतवाली अन्तर्गत बोदलपुर गांव निवासी गुलाब राम का खपरैल का बना कच्चा मकान दोपहर में जमींदोज हो गया। मलबे में दब जाने से गृह स्वामी के (१०) पुत्र शिवम की मौत हो गई। ग्रामीणों की मदद से बालक के शव को बाहर निकाला गया। जबकि जौनपुर स्थित मुंगराबादशाहपुर में लगातार हो रही रिमझिम बारिश से घरों के गिरने का सिलसिला शुरु हो गया है। क्षेत्र के मधुपुर गांव में बरसात के चलते गुरुवार दोपहर दीवार ढह गई जिससे प्रमिला देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। इसी तरह दूसरी घटना जखनिया गांव में हुई जहा प्रातः बरसात के कारण कवि तिवारी का कच्चा मकान का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया। फिलहाल घटना में कोई घायल तो नहीं हुआ लेकिन घर गृहस्थी का सामान दबकर नष्ट हो गया।

एक बच्चे की मां की शादी बना चर्चा का विषय

गोरखपुर, सामूहिक विवाह समारोह में हुई ५० जोड़ों की हुई शादी में एक बच्चे की मां की शादी चर्चा का विषय बन गया है। इसकी जानकारी तब हुई जब कार्यक्रम स्थल से थोड़ी दूर वह करीब एक वर्ष के बच्चे को दूध पिलाने लगी। उसी बीच किसी ने उसकी तस्वीर ले ली और वीडियो क्लिप बना लिया। उस दौरान तो किसी ने कुछ नहीं बोला पर गुरुवार को खड्डा के नायब तहसीलदार राधेश्याम उपाध्याय और लेखपाल हरिओम गुरुवार को ममता के घर जांच करने पहुंच गए। उन्होंने ममता से पूछताछ की। हुआ यूं कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बुधवार को कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया ब्लाक परिसर में ५० जोड़े की शादी का कार्यक्रम था। गवाह के रूप में मौजूद जनसमूह के साथ जिलाधिकारी डा. अनिल कुमार सिंह व विधायक जटाशंकर त्रिपाठी समेत जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इसी दौरान समारोह में शामिल देवतहा गांव की ममता नामक वधू को ससुराल पक्ष की एक महिला रो रहे बच्चे को दूध पिलाने के लिए बुलाने आ गई। शादी के जोड़े में सजी वह महिला कार्यक्रम स्थल से बगल में चली गई और बच्चे को दूध पिलाने लगी। भीड़ होने के कारण कई लोगों की

सामूहिक विवाह समारोह

निगाहें दुल्हन बनी उक्त ममता पर पड़ी। कुछ लोगों ने कानाफूसी शुरू कर दी। इस दौरान उसकी तस्वीर ले ली गई और वीडियो क्लिप बना लिया। बहरहाल, जिलाधिकारी डा. अनिल कुमार सिंह व विधायक जटाशंकर त्रिपाठी ने एक बच्चे की मां समेत सभी वर-वधू को सुखमय जीवन का आशीष दिया। पुरोहित मधुरेश उपाध्याय, आदित्य तिवारी, कृष्णमणि त्रिपाठी, आशीष मिश्र, टुनटुन ओझा आदि ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सामूहिक विवाह संपन्न कराया। इस दौरान एक मुस्लिम जोड़े का मौलाना अब्दुल कयूम अंसारी ने निकाह कराया। सभी वर-वधू को २०-२० हजार का चेक व गृहस्थी का सामान देकर विदा किया गया।

बंटवारे का दर्द सहन नहीं कर सकी वृद्धा, मौत

गोपीगंज (भदोही), नगर के फूलबाग निवासी आटो चालक रामजी मिश्रा की पिछले दिनों कोतवाली परिसर में मौत हो गई थी। मौत के बाद परिजन पांच सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपकर मांग की थी कि जमीन का बंटवारा करवा दिया जाए। मंगलवार की रात बंटवारे को लेकर हो रही चर्चा की बात सुनते ही बेहोश होकर गिरी विजयलक्ष्मी (६५) की मौत हो गई।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के दाउदपुर चौराहे पर युवक की कैंची घोंपकर हत्या

पट्टी(प्रतापगढ़), कोतवाली क्षेत्र के दाऊदपुर चौराहे पर मामूली विवाद में शैलेश पुत्र मनोज हरिजन की कैंची घोप कर दिनदहाड़े नृशंस हत्या कर दी गई। इससे बाजार के लोग भी दहशत में आ गए। मौके से आरोपी भाग निकला। जबकि पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस को मृतक का शव उठाने में लगभग ५ घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पट्टी कोतवाली क्षेत्र के पूरे बसन गांव निवासी मनोज कुमार हरिजन का पुत्र शैलेश (२३) गुरुवार को दोपहर लगभग १२ बजे किसी काम से दाऊदपुर चौराहे पर गया हुआ था। उसे वहां से लोहिंदा बंधवा बाजार जाना था। जब वह चौराहे पर पहुंचा तो गांव का ही पड़ोसी दीपक उर्फ दीपू उसे मिल गया। आरोप है कि वह उसकी बाइक मांगने लगा। इसी बाइक मांगने के विवाद को लेकर शैलेश व दीपक के बीच कहासुनी हुई तो विवाद बढ़ गया। वहां से विवाद होता -होता चौराहे पर स्थित नाई की दुकान पर पहुंचा और बाद में नाई की दुकान से आरोपी ने कैंची उठाकर उसे दौड़ा लिया। वह एक फलांग भी दौड़ नहीं पाया कि उसके सीने में कैची घोप दी। मौके पर ही शैलेश की सांसे थम गई। यह नजारा देखकर आसपास के लोग भी घबरा गए और बाद में सूचना पुलिस को दी गई तो सीओ पट्टी जीडी मिश्रा, इंस्पेक्टर कोतवाली शिवसागर पांडे, पृथ्वी गंज चौकी इंचार्ज बालकिशुन, उपनिरीक्षक धनंजय सिंह ,तहसीलदार पट्टी पूरी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। इस मामले में मृतक के पिता की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। मृतक शैलेश की शादी 27 मई 2018 को हुई थी किसी को क्या मालूम था कि 2 माह में भी उसकी इस तरह नृशंस हत्या कर दी जाएगी। घटना के दौरान पत्नी मायके गई हुई थी। जब इस बात की खबर उसे भेजी गई तो पत्नी के साथ मायके के लोग भी यहां लगभग 2 बजे पहुंचे और दहाड़

दिनदहाड़े हुई हत्या से सनसनी

मारकर रो पड़े। दिनदहाड़े कैंची घोपकर की गई नृशंस हत्या की जानकारी जब लोगों को मिली तो सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में पास पड़ोस के गांव वाले भी मौके पर एकत्रित हो गए। परिवार के लोग जब शव उठाया जाने लगा तो उसका विरोध करने लगे मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर कोतवाली शिवसागर पांडे ने काफी समझाया ,लेकिन बात नहीं बनी। बाद में पत्नी ना होने की बात कह कर मामले को टाल दिया गया। इससे वहां पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। बाद में जब पत्नी सहित परिजन मायके से आए तो उसके बाद भी शव उठाने को लेकर नोकझोंक होती रही। प्रशासनिक अमला परिवारीजनों को समझाता रहा। लेकिन रो-रो कर सभी इस कदर बेहाल हैं कि उन्हें कुछ सूझ नहीं रहा था।

युवाओं के बूते ही होती रही है देश की तरक्की-धनंजय

बिल्थरारोड (बलिया), भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक धनंजय कन्नौजिया ने कहा कि युवाओं के बूते ही देश तरक्की करता रहा है और करता रहेगा। वे कल अपने गृहक्षेत्र में प्रथम आगमन पर आयोजित अभिनंदन समारोह के दौरान बोल रहे थे। नगर के जायसवाल धर्मशाला में आयोजीत स्वागत समारोह में नगर पंचायत चेयरमैन दिनेश कुमार गुप्त ने दर्जनों कार्यकर्ताओं संग प्रदेश उपाध्यक्ष धनंजय कन्नौजिया व महामंत्री गोरखपुर आशुतोष सिंह का भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं व समर्थकों के स्वागत से गदगद श्री कन्नौजिया ने कहा कि देश के विकास की अहम कड़ी

होने वाले युवाओं को भाजपा में विशेष महत्व दिया जा रहा है। पार्टी से प्रतिदिन लाखों युवा कार्यकर्ता जुड़ रहे हैं। नपं चेयरमैन दिनेश गुप्त ने कार्यकर्ताओं के सम्मान की रक्षा का संकल्प दोहराते हुए कहा कि पार्टी ने बलिया जनपद के विधायक को पार्टी की अहम जिम्मेदारी दी है, जो क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। मौके पर सभासद राममनोहर गांधी, पिक्की वर्मा, गोरख जायसवाल, आदित्य नारायण, रणजीत कुशवाहा, प्रमोद सिंह, विपिन मिश्र, मृत्युजंय मद्धेशिया आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

दिल्ली-भागलपुर एक्सप्रेस के इंजन में भैंसा फंसने से ट्रेन रुकी

जिगना (मिर्जापुर), स्थानीय थाना क्षेत्र के जिगना बारी गांव के सामने कल दोपहर दिल्ली-भागलपुर एक्सप्रेस के इंजन में भैंसा फंसने के कारण अचानक ट्रेन रुक गई। इसकी जानकारी होते ही चालक व गार्ड ने काफी मशक्कत के बाद मृत भैंसे को बाहर निकाला तब जाकर ट्रेन आगे रवाना हुई। इस दौरान लगभग आधे घंटे तक ट्रेन रुकी रही। इससे यात्रियों को परेशानी हुई। दिल्ली-भागलपुर एक्सप्रेस ट्रेन इलाहाबाद से जब चली तो कुछ ही दूरी पर भीरपुर स्टेशन के पास ट्रेन के सामने एक भैंसा आकर इंजन के नीचे फंस गया। जिगना स्टेशन पहुंचते-पहुंचते इंजन जवाब देना शुरू कर दिया। दोपहर जिगना बारी गांव के सामने पहुंचते ही ट्रेन अचानक खड़ी हो गई। अचानक ट्रेन के रुकने से चालक व गार्ड परेशान हो गए और तत्काल कंट्रोल को सूचना दी। कंट्रोल को सूचना देने के बाद चालक व गार्ड ने नजर दौड़ाई तो इंजन में फंसा भैंसा दिख गया। इसके बाद चालक व गार्ड ने मिलकर भैंसे को निकालने का प्रयास शुरू किया। इंजन के अंदर फंसने के कारण भैंसा को निकालना मुश्किल लग रहा था लेकिन उसे आधे घंटे के अंदर निकाल लिया गया तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। कंट्रोल की सूचना पर पीडब्ल्यूआइ इन्द्रजीत भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने इंजन से निकले मृत मवेशी को रेलवे परिसर से बाहर कराया।

५ अंतरजनपदीय चोर गिरफ्तार, दो फरार

सुरेरी (जौनपुर), नेवढ़िया पुलिस ने पांच अंतर जनपदीय चोरों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो फरार हो गए। गिरफ्तार किए गए आरोपितों के पास से सात बाइक, एक डिजिटल वीडियो कैमरा, दो प्रिंटर मशीन, बैटरी और बैटरी चार्जर बरामद किया। पूछताछ के बाद सभी आरोपितों का चालान न्यायालय प्रेषित कर दिया। थानाध्यक्ष विनोद यादव ने बताया कि कल शाम सूचना मिली की वाहन चुराने वाले गिरोह के सरगना बाइक के साथ क्षेत्र में घूम रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने नाकेबंदी करते हुए जगह-जगह वाहन चेकिंग करने लगी। सिहोरीबीर नहर पर जमालापुर की ओर से तीन बाइक पर सवार सात लोग आ रहे थे, जो पुलिस को देख कर बाइक घुमाकर भागने लगे। पुलिस ने दौड़ा कर पांच लोगों को पकड़ लिया, जबकि दो भागने में सफल रहे। पूछताछ के दौरान पांचों ने कबूल किया की

उनके पास जो वाहन है वह चोरी की है। कड़ाई करने पर चोरी की चार अन्य बाइक और एक वीडियो कैमरा, चार्जर और प्रिंटर बेचने के लिए रखने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर सामान बरामद किया। थानाध्यक्ष ने कहा कि आरोपितों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वे आस-पास के जनपदों में सक्रिय थे, जो सामान चोरी करने के बाद उसे सस्ते दाम में बेच देते। अनुराग सागर उर्फ शनि निवासी ग्राम कुत्तुबपुर थाना कोतवाली मड़ियाहूं। विकास कुमार निवासी ग्राम नेवादा थाना फूलपुर वाराणसी। प्रदीप कमार चौहान निवासी ग्राम गनापुर थाना सिकरारा। पंकज विश्वकर्मा निवासी ग्राम देहुजुरी थाना सिकरारा। चमन गौतम निवासी ग्राम सेनुवापार थाना कोतवाली मड़ियाहूं।

सूरत में ताप्ती गंगा ट्रेन से उतरते ही मिलती है टिकट चैकर की पूरी फौज

सूरत। चालू टिकट पर सफर करने वाले यात्रियों की दशा देखने के बाद तो लगता है कि इनसे किसी भी प्रकार का कोई किराया नहीं लेना चाहिए क्योंकि 36 घंटे भेढ-बकरियों की तरह एक पैर पर खड़े होकर सफर करते है। सूरत से लंबी दूरी की सभी ट्रेनों में इस तरह की भीड़ होने से टिकट चेकर कि बल्ले बल्ले हो जाती है। टिकट चेकर ऐसे व्यक्तियों को शिकार बना रहे हैं जो नए या पहली बार सफर करते हो उनमें किसी ने किसी प्रकार की डर या भय पैदा करके छोटे बड़े रकम वसूल लेते हैं जिससे किसी प्रकार की कोई निशानी ना रह जाए इसलिए रसीद बनाकर लोगों की जेब खाली कर रहे हैं ज्यादा कर यह ताप्ती गंगा गाड़ियों में देखा जाता है जहां पर सूरत रेलवे स्टेशन की पूरी टिकट चेकर की टीम ही इस गाड़ी पर रशीद बनाने के लिए टूट पड़ती है क्योंकि यह ट्रेन साल में 365 दिन कभी खाली नहीं जाती है जिसके बावजूद भी लोगों को टिकट ना मिलने के कारण चालू टिकट लेकर सफर करते हैं इसके बावजूद रेलवे बोर्ड के सारे नियम इसी ट्रेन में लागू होते हैं ऐसा महसूस होता है उस ट्रेन में ना ही डब्बे हैं ना ही कोई उचित सुविधाएं गाड़ी में उपलब्ध कराई गई है सिर्फ लोगों के जेब कैसे खाली कराई जाए वे नियम कानून सूरत रेलवे स्टेशन के टिकट चेकर को पता होता है

हेवमोर, ओनेस्ट के अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया

साल से सत्ताधार चार रास्ते तक के अतिक्रमणों को हटाया गया

पश्चिम जोन के एस्टेट विभाग की टीम अतिक्रमण की टीमों और मजदूरों के काफिले के साथ पहुंच गई

अहमदाबाद । शहर में सार्वजनिक रास्तों से सटे अवैध और अनधिकृत-अनअधिकृत अतिक्रमणों को हटाकर रोड-रास्ते खुला करने के म्युनिसिपल प्रशासन ने शहरभर में शुरू किए गए अभियान के तहत गुरुवार को सुबह में नये पश्चिम जोन के एस्टेट विभाग की टीम अतिक्रमण की तीन गाड़ी और २५ मज दूरों के काफिले के साथ साल अस्पताल चार रास्ते से सत्ताधार चार रास्ते तक के अतिक्रमण पर पहुंची थी और बड़े पैमाने पर डिमोलिशन ड्राइव चलाने से पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई इसके साथ स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों में दहशत फैल गई है।

म्युनिसिपल कमिशनर विजय नेहरा की सूचना से शहरभर के अतिक्रमण रास्तों को खुला करने का अभियान चल रहे होने से इसकी लोग प्रशंसा कर रहे है । गत दिन पानकोरनाका से गांधीरोड से पांचकूवा दरवाजा तक के रोड पर अतिक्रमण हटाने का कामकाज प्रशासन ने शुरू किया था । लॉ गार्डन के खाने-पीने के बाजार का अतिक्रमण को हटाने के अलावा गांधीरोड पर का ऑपरेशन डिमोलिशन काफी चर्चा में रहा। करीब दो किमी लंबाई के रास्तों को अतिक्रमण मुक्त देखकर स्थानीय लोग आश्चर्य में पड़ गये।

इस दौरान गुरुवार को सुबह में नये पश्चिम जोन के एस्टेट विभाग की टीम द्वारा साल अस्पताल चार रास्ते से सत्ताधार चार रास्ते तक के अतिक्रमण को हटाने का काम शुरू किया गया, जिसके तहत सन एन्ड स्टेप क्लब, हेवमोर तथा ओनेस्ट के अवैध अतिक्रमणों को हटाया गया।

यह रास्ते पर की फूटपाथ सहित के हिस्से को पार्किंग तथा राहगीरों के आने जाने के लिए खुला किया गया।

पुलिस को चकमा देकर महिला बुटलेगर फरार

महिला बुटलेगर फरार हो जाने पर चार पुलिसकर्मी सस्पेन्ड

अहमदाबाद । शहर के बापूनगर क्षेत्र में मारपीट तथा शराब के केस में शामिल रही एक आरोपी महिला बुटलेगर गत दिन देर रात को बापूनगर पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाने पर भारी सनसनी मच गई थी। दूसरी तरफ, महिला बुटलेगर पुलिस स्टेशन में से फरार हो जाने पर उच्च पुलिस अधिकारी डीसीपी ने पूरे मामले को काफी गंभीरता से लिया था और यह घटना के लिए जिम्मेदार और डयुटी में लापरवाही बरतनेवाले एक एएसआई सहित चार पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से सस्पेन्ड किया गया था । जिसकी वजह से शहरभर के पुलिसबेडा में भारी सनसनी मच गई थी । बापूनगर पुलिस के लोकअप में से महिला बुटलेगर फरार हो जाने की यह गंभीर घटना में जोन-५ के डीसीपी हिमकरसिंह ने एक आसिस्टन्ट सब इंस्पेक्टर, दो महिला पुलिस कॉन्स्टेबल और अन्य एक पुलिस कर्मचारी को सस्पेन्ड किया गया । चार पुलिसकर्मी तत्काल प्रभाव से सस्पेन्ड किए गए जाने पर शहरभर के पुलिसबेडा में सस्पेन्शन का मामला चर्चा का मुद्दा बन गया । दूसरी तरफ भारी सनसनी मच गई थी । बापूनगर पुलिस ने चार पुलिस कर्मचारियों के विरूद्ध गंभीर लापरवाही बरतने पर गंभीर अपराध दर्ज किया गया है, जिसे लेकर यह पुलिस कर्मचारियों की परेशानी बढ़ गई है । इस दौरान एच डीविजन के एसीपी बीबी. गोहिल ने बताया है कि, बापूनगर की सितारा नाम की महिला बुटलेगर मारपीट तथा प्रोहीबीशन के केस में वांटेड थी। बापूनगर पुलिस ने गत दिन इसकी गिरफ्तारी की थी । देर रात को सीतारा एएसआई सहित चार पुलिसकर्मी को चकमा देकर पुलिस कस्टडी से फरार हो गई थी । यह पूरे घटना की जानकारी डीसीपी को मिलने पर उन्होंने सभी पुलिस कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेन्ड कर दिया गया था । पुलिस ने फरार महिला बुटलेगर को गिरफ्तार करने के लिए खोज बीन शुरू कर दी है।

आईसीएसई की स्कूलों में कक्षा-९, ११ की परीक्षा अब बोर्ड द्वारा

अहमदाबाद । काउन्सिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एक्जामिनेशन (आईसीएसई) भी अब हाल में चल रहे यह शैक्षणिक वर्ष में स्कूल की परीक्षा पेटर्न में परिवर्तन कर रही है । अभी तक कक्षा-१० और १२ की बोर्ड की परीक्षा के प्रश्नपत्र बोर्ड द्वारा दिया जाता था, लेकिन अब कक्षा-९ और ११ की परीक्षा अब बोर्ड द्वारा लिए जाने का निश्चित किया गया है । जि सके लिए आईसीएसई बोर्ड ने कार्रवाई शुरू की है । नई पद्धति के परिवर्तन में परीक्षा की पेपर बोर्ड अपने स्तर पर ही तैयार किया जाएगा । कक्षा-९ और ११ की परीक्षा दो सत्र में ली जायेगी। कक्षा-९ की परीक्षा १२ नवम्बर से २८ नवम्बर तक और कक्षा-११ की परीक्षा १२ नवम्बर से ६ दिसम्बर तक ली जायेगी । गुजरात में कक्षा-९ की वार्षिक परीक्षा ११ फरवरी और कक्षा-११ की वार्षिक परीक्षा १ फरवरी, २०१९ से शुरू किया जाएगा । अभी तक आईसीएसई की परीक्षा स्कूल स्तर पर ली जाती थी और इसके प्रश्नपत्र भी स्कूल स्तर पर किया जाता था । आईसीएसई द्वारा कक्षा-९ और ११ के प्रश्नपत्र वार्षिक परीक्षा में बोर्ड द्वारा ही तैयार किए जाने के बाद ई-मेल द्वारा स्कूलों को भेजा जाएगा। यहां उल्लेखनीय है कि, अहमदाबाद की जेजी. इन्टरनैशनल, जायडस स्कूल, महात्मागांधी इन्टरनैशनल स्कूल, तुलीप, आनंदनिकेतन, केलोरेक्स, एसजीवीपी, सेवन्थ डे, डिवाइन इन्टरनैशनल, अहमदाबाद इन्टरनैशनल, मधर टेरेसा वर्ल्ड स्कूल आदि सहित कुल १५ से ज्यादा स्कूलों में आईसीएसई बोर्ड के साथ जुड़ी हुई है। हालांकि नई सिस्टम की वजह से विद्यार्थियों को अब बोर्ड की परीक्षा जैसी तैयारी के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

किस मॉडल रोड पर से अतिक्रमण हटेगा

अहमदाबाद। जोन रास्ते का नाम

दक्षिण	बीआरटीएस सीटीएम ब्रिज से कागडापीठ पो.स्टे., पंडित दीनदयाल खोखराब्रिज से कांकरिया गेट, कृष्णबाग चार रास्ते से केनाल तक, दीवान बल्लुभाई स्कूल से अप्सरा सिनेमा, कांकरिया गेट से बिग बाजार तक का रास्ता
मध्य	डफनाला से गांधीब्रीज से जुडता रास्ता, नहेरुब्रिज से जुडता रास्ता, आरटीओ सर्कल से सुभाषब्रिज अंडरब्रिज, दुधेश्वर से पुलिस कमिशनर की कचहरी
उत्तर	मेघाणीनगर अंतिम बस स्टेन्ड से इसनपुर ब्रिज, इन्दिराब्रिज सर्कल से एयरपोर्ट से जुडते रास्ते, नेशनल हाइवे से पम्बिग स्टेशन केनाल, रक्षा रत्नाकर चोकठे से रामेश्वर चार रास्ता,
पश्चिम	उस्मानपुरा चार रास्ते से पासपोर्ट ऑफिस, पल्लव चार रास्ते से से अमीन जंकशन, जनपथ होटेल से गांधीनगर हाईवे तक का रास्ता, आश्रमरोड-बाटा हाउस से सरदार पटेल ब्रिज, नहेरुनगर से गुजरात कॉलेज तक, नवरंगपुरा रेलवे क्रोसिंग से एच.एल. कोमर्स कॉलेज तक, पंचवटी से अंडरपास से महालक्ष्मी चार रास्ता, एस.जी. हाईवे से हेल्मेट चार रास्ता तक
न.पश्चिम	पल्लव चार रास्ते से कर्णावती मोटर्स तक का रास्ता, एसजी हाईवे-पकवान रेस्टोरन्ट से केशवबाग पार्टी प्लोट
पूर्व	एस.पी. ऑफिस से जूना ओढव ओकट्रोय

वाहन पार्किंग नोटिस को लागू नहीं करती स्कूल-कॉलेजों पर कार्रवाई

अहमदाबाद । शहर में चल रही ट्राफिक की ड्राइव को ट्राफिक पुलिस गुरुवार से ज्यादा सख्त बनने जा रही है । ट्राफिक और पार्किंग मुद्दे पर शहर की स्कूल-कॉलेजों, मॉल, अस्पताल, कॉम्प्लेक्स आदि संपत्तियों को ट्राफिक पुलिस द्वारा दी गई नोटिस की तय सीमा में पालन नहीं किया गया तो ट्राफिक पुलिस द्वारा ऐसी कसूरवार संपत्तियों का लिस्ट तैयार करके एएमसी को दिया जाएगा । इसके बाद स्कूल-कॉलेज, शोपिंग मॉल या अस्पताल सहित की ऐसी प्रिमाइसीसी में पार्किंग के मुद्दे पर सील करने तक की कार्रवाई की जाएगी । इतना ही नहीं इस बारे में पूरी रिपोर्ट भी गुजरात हाईकोर्ट पेश किया जाएगा । इसके अलावा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लेट, सोसाइटी तथा संपत्तियों के बाहर नो-विजिटर पार्किंग बोर्ड लगानेवाले लोगों की भी सूची तैयार करके उनके विरूद्ध भी कार्रवाई करने के लिए म्युनिसिपल को जानकारी दी जाएगी । ट्राफिक और पार्किंग के मुद्दे पर शहर की स्कूल-कॉलेजों, मॉल, अस्पताल, कॉम्प्लेक्स आदि मिलाकर १००० संपत्तियों को ट्राफिक पुलिस नोटिस दी गई है । यह नोटिस बाद भी संपत्ति के संचालकों द्वारा पार्किंग के मामले में कोई कदम या व्यवस्था नहीं की गई हो तो गुरुवार से उनकी सूची ट्राफिक पुलिस द्वारा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की गई है । जो भी संपत्तियों द्वारा कार्रवाई नहीं की गई है इसके खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी । गत दिन एएमसी द्वारा पार्किंग के मुद्दे पर अमराईवाडी टोरेन्ट की ऑफिस को सील किया गया । पार्किंग की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण स्कूल-कॉलेजों, मॉल, अस्पताल, कॉम्प्लेक्स आदि में आते लोग बाहर रोड पर ही वाहन पार्क कर देते है । जिसके कारण ट्राफिक की समस्या पैदा होती है । पार्किंग मामले में ट्राफिक पुलिस की नोटिस को नजरअंदाज करनेवाले के विरूद्ध अब सख्त कार्रवाई के अलावा फ्लेट, सोसाइटी तथा संपत्तियों के बाहर का नो-विजिटर पार्किंग के बोर्ड लगानेवाले के विरूद्ध भी ट्राफिक पुलिस कार्रवाई करेगी।

अहमदाबाद कलेक्टर ऑफिस पर ग्रामीण क्षेत्र की गौचर जमीन के मामले में प्रदर्शन किया गया।

एलिसब्रिज से एएमसी दाणापीठ तक लारी गल्ला के व्यापारियों द्वारा रैली आयोजित की गई थी।

लोकप्रिय कार्टून पात्र मोटु और पतलु ने काफी आकर्षित किया है गुरुवार को अहमदाबाद शहर के मेहमान बने।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com